

हैं 3. परंपरा जैसे- वह अपने पिता जी के पद-चिह्नों पर चल रहा है।

**पदच्छेद** पुं. (तत्.) व्या. व्याकरणिक नियमों के आधार पर प्रत्येक पद को अलग-अलग करना, वाक्य स्थितसंधि या समासयुक्त पदों को अलग करने का कार्य या क्रिया।

**पदच्युत** वि. (तत्.) प्रशा. 1. अपने पद या स्थान से हटा हुआ 2. सेवा (नौकरी) से बरखास्त किया हुआ।

**पदच्युति** स्त्री. (तत्.) 1. अपने पद से हटने या गिरने की अवस्था या भाव प्रशा. आपराधिक दोष सिद्ध होने पर अथवा अन्य कारणों से कर्मचारी को नौकरी से निकाल देना या बरखास्तगी राज. सार्वजनिक पद से हटा दिया जाना।

**पदतल** पुं. (तत्.) पैर का तलवा।

**पदत्याग** पुं. (तत्.) अपने पद या ओहदे को छोड़ने की क्रिया, त्याग-पत्र देने की क्रिया।

**पदत्राण** पुं. (तत्.) पैरों की रक्षा करने वाला साधन, जूता, खड़ाऊँ, चप्पल आदि।

**पद-दलित** वि. (तत्.) 1. पैरों से रौंदा हुआ, पैरों से कुचला हुआ 2. जिसे दबाकर रखा गया हो अर्थात् समाज द्वारा हीन अवस्था में रखा गया।

**पदधारी** वि. (तत्.) किसी पद या ओहदे पर काम करने वाला; पदासीन पुं. किसी पद या ओहदे पर काम करने वाला व्यक्ति, पदासीन अधिकारी।

**पदनाम** पुं. (तत्.) पद की सूचना देने वाला शब्द जैसे- निदेशक, सहायक मजिस्ट्रेट आदि।

**पद-निक्षेप** पुं. (तत्.) 1. पैर रखने की क्रिया, पद-न्यास 2. चरणों या पैरों के निशान 3. पैरों की छाप।

**पद-निरूपण** पुं. (तत्.) भाषा. भाषा-विज्ञान के सिद्धांतों के अनुसार वाक्य संरचना में शब्दों का

उद्देश्य (कर्त्ता), विधेय (क्रिया पद, संज्ञा पद आदि) के अनुसार संकेतों द्वारा अंकन।

**पदन्यास** पुं. (तत्.) 1. पैर रखना, चलना, कदम आगे बढ़ाना 2. नृत्य आदि में पैर रखने की एक विशिष्ट मुद्रा, चलने का ढंग 3. किसी रचना में पदों या शब्दों को चुन-चुनकर रखना, किसी रचना के भीतर पदों का निवेश।

**पदपंक्ति** स्त्री. (तत्.) पाँच चरणों वाला एक वैदिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में पाँच वर्ण होते हैं।

**पद-परिचय** पुं. (तत्.) वाक्य में प्रयुक्त सभी शब्दों (पदों) के शब्द-भेद बताते हुए उनकी व्याकरणिक कोटिसंबंधीसूचना का प्रस्तुतीकरण।

**पदपाठ** पुं. (तत्.) 1. वेदमंत्रों का एक विशिष्ट पाठ जिसमें प्रत्येक पद को अलग-अलग व्यक्त किया जाए 2. ऐसा ग्रंथ जिसमें वेदमंत्रों का संपादन पदपाठ के अनुसार हो।

**पदबंध** पुं. (तत्.) 1. एक से अधिक पदों का समूह जो वाक्य में मिलकर वाक्य में वही व्याकरणिक प्रकार्य करे जो एकल पद करता है 2. पदन्यास phrase

**पदभंजन** पुं. (तत्.) व्या. 1. शब्दों की निरुक्ति, शब्द विश्लेषण 2. व्याकरण में समस्त पदों के पूर्व और उत्तर पदों को अलग करने की क्रिया।

**पदम** पुं. (तत्.) 1. दे. पद्म 2. बादाम की जाति का एक जंगली पेड़, अमल गुच्छ, पदमाख 3. उस जंगली पेड़ का फल जोकि खाने तथा माला आदि बनाने के काम आता है 4. इसके फल से बनाई गई शराब।

**पदमुक्ति** स्त्री. (तत्.) कार्यमुक्ति, सेवामुक्ति, पदभार या कार्यभार से मुक्त कर दिए जाने की स्थिति।

**पदमुद्रा** स्त्री. (तत्.) किसी पद की परिचायक मोहर।

**पदमूल** पुं. (तत्.) पैर का तलवा।